चन्द्रपुरी के जैन मंदिर- तीर्थंकर चन्द्रप्रभु की तीर्थ स्थली

यहाँ एक दिगम्बर एवं एक श्वेताम्बर जैन मंदिर है। ये दोनों गंगा के किनारे चन्द्रावती गाँव में हैं।

दिगम्बर जैन मंदिर- इस मंदिर का निर्माण सन् 1913 ई. में लाला प्रभुदास ने कराया। इसके सभा-मंडप में गर्भ-गृह के द्वार पर यक्ष विजय और यक्षिणी ज्वालामालिनी की मूर्तियाँ विराजमान हैं।

श्वेताम्बर जैन मंदिर- यह मंदिर सन् 1835 ई. में बना है। श्री दयाराम साहनी ने सन् 1912 ई. में यहाँ पर मंदिर की उत्तरी दिवाल पर सन् 1699 ई. का एक शिलालेख तथा मंदिर में सन् 1507 ई. की शान्तिनाथ भगवान की एक प्रतिमा देखी थी, जो अब नहीं है।

इस श्वेताम्बर मंदिर के दाहिनी ओर सन् 1912 ई. में खुदाई की गई, जिसमें दो ताम्र पत्र मिले, जिससे विदित होता है कि ईसा की 12वीं शताब्दी में यहाँ 'चन्द्रमाधव' मंदिर था। सम्भवतः चन्द्रप्रभु भगवान के मंदिर को ही 'चन्द्रमाधव मंदिर' कहा जाता होगा।